computer generations pdf in hindi

computer generations pdf in hindi (कंप्यूटर की पीढ़ियाँ हिंदी में)

हम computer को 5 generations (पीढ़ियो) में विभाजित करते हैं, इन पीढ़ियो को कंप्यूटर के द्वारा उपयोग में ली जाने वाली टेक्नोलॉजी के आधार पर परिभाषित कर सकते हैं। टाइम के गुजरने के साथ-साथ नई टेक्नोलॉजी आई और उसने हमारी कंप्यूटर में कार्य करने की दक्षता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है:-computer generations pdf in hindi

ये पोस्ट भी पढ़े:- Computer software and Hardware क्या होते है ?

कंप्यूटर की पीढ़ियों के नाम इस प्रकार से है :-

1. first generation of computer in hindi | **प्रथम पीढ़ी** (**1942 से 1956**)
2. second generation of computer in hindi | **दूसरी पीढ़ी** (**1956 से 1965**)
3. third generation of computer in hindi | **तीसरी पीढ़ी** (1965 **से** 1975)
4. fourth generation of computer in hindi | **चौथी पीढ़ी** (1975 **से** 1988)
5. fifth generation of computer in hindi| **पांचवी पीढ़ी** 1998 **से अब तक** (current)

www.tricksontime.com

कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी (first generation of computer in hindi) :- 1942 से 1956

पहले पीढ़ी के कंप्यूटर में इलेक्ट्रॉनिक घटक के रुप में वैक्यूम ट्यूब और डेटा भंडारण के लिए चुंबकीय ड्रम का इस्तेमाल किया गया था| उनका आकार काफी बड़ा होने के कारण रखने के लिए पूरे कमरे की आवश्यकता होती थी

first genration के computer बहुत महंगे थे ,वह अधिक गर्मी कॉशन करते थे, जिसकी वजह से उन्हें ठंडा करना बहुत आसान नहीं होता था | उनका भी बहुत कठिन होता था |इस पीढ़ी के कंप्यूटरों को ऑपरेट करने के लिए मशीन भाषा का इस्तेमाल इसकी प्रोग्रामिंग भाषा के रूप में किया गया था |

ntime.com

कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी

पहली पीढ़ी के कंप्यूटर में डाटा को पंच कार्ड और कागज के द्वारा डाटा दिया जाता था। जो पहली पीढ़ी के कंप्यूटर थे वह एक समय में एक ही समस्या को हल कर सकते थे, यह पहली पीढ़ी के कंप्यूटर की एक कमी थी। (

कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी के लाभ

- **सबसे पहले कंप्यूटर पीढ़ी**
- **वेक्यूम तुबे का यूज़ किया गया**
- **पंच कार्ड का आधारित है**
- **डाटा का इनपुट कागज और पंच कर्ड से देते थे**
- **डाटा चुंबकीय ड्रम से स्टोर करना**

कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी के नुकशान

- **जो पहली पीढ़ी के कंप्यूटर थे वह एक समय में एक ही समस्या को हल कर सकते थे।**

कंप्यूटर की दूसरी पीढ़ी (second generation of computer in hindi):- 1956 से 1965

अब दूसरी पीढ़ी के कंप्यूटरों में इलेक्ट्रॉनिक घटक के रुप में ट्रांजिस्टर का इस्तेमाल किया गया था। ट्रांजिस्टर कुशल, तेज और कम बिजली की खपत और पहली पीढ़ी के कंप्यूटर की तुलना में अधिक सस्ते और विश्वसनीय थे , इन से अधिक तेज गति से कार्य किया जा सकता था।

www.tricksontime.com

यह कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी का कंप्यूटर की तरह ही अधिक गर्मी का उत्सर्जन करते, तो लेकिन यह उनसे ज्यादा कार्य करने में कुशल थे।

ये पोस्ट भी पढ़े:- कंप्यूटर में फोटो फाइल को कैसे छुपाए अभी जाने !

यह कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी का कंप्यूटर की तरह ही अधिक गर्मी का उत्सर्जन करते, तो लेकिन यह उनसे ज्यादा कार्य करने में कुशल थे। इस genrations में चुंबकीय और प्राइमरी मेमोरी और चुंबकीय टेप एंड चुंबकीय डिस्क सेकेंडरी भंडारण यानी कि storage के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

cobol और Fortran के रूप में उच्च स्तरीय कंप्यूटर प्रोग्राम भाग सेकंड जनरेशन में स्टार्ट की गई थी ।

कंप्यूटर की दूसरी पीढ़ी के लाभ

- **ट्रांजिस्टर का इस्तेमाल किया गया था।**
- **डाटा स्टोर करने के लिए चुंबकीय टेप एंड चुंबकीय डिस्क यूज़ की गयी**
- cobol **और** Fortran **जैसी प्रोग्रामिंग भाषा यूज़ की गयी**
- **अधुक कुशल थे**

www.tricksontime.com

कंप्यूटर की दूसरी पीढ़ी के नुकसान

- **ये** computer **भी अधिक गर्मी का उत्सर्जित करते थे**

कंप्यूटर की तीसरी पीढ़ी (third generation of computer in hindi):- 1965 से 1975

जो तीसरी पीढ़ी के कंप्यूटर थे, उनमें ट्रांजिस्टर के स्थान पर **इंटीग्रेटेड सर्किट** यानी कि आई सी का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी ट्रांजिस्टर प्रतिरोध और कैपिटल को मिलाकर बनाई गई एक ही डिवाइस है, जिससे कंप्यूटर के आकार को और भी छोटा बनाया जा सकता था।

computer generations pdf in hindi

इस पीढ़ी के कंप्यूटर द्वारा इनपुट और आउटपुट के लिए keyboard और monitor का इस्तेमाल किया गया था | इसमें oprating system की अवधारणा को भी इसी टाइम पर पेश किया गया था|

इसमें time-sharing और multiprocessing की अवधारणा को भी पेश किया गया था इसमें कई उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषाओं की शुरुआत की गई जैसे फोर्ट्रन ,आईवी, पास्कल, बेसिक इत्यादि ।

कंप्यूटर की तीसरी पीढ़ी के लाभ

- **कंप्यूटर का आकर छोटा कर दिया गया**
- **इंटीग्रेटेड सर्किट** (IC) **का यूज़ किया गया**
- **उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषाओं की शुरुआत की गई जैसे फोर्ट्रन ,आईवी, पास्कल, बेसिक इत्यादि।**
- **डाटा इनपुट के लिए कीबोर्ड यूज़ किये गए।**
- oprating system **की अवधारणा पेश की गयी।**
- **आउटपुट दिखाने के लिए मॉनिटर यूज़ किये गए।**
- time-sharing **और** multiprocessing **की अवधारणा को भी पेश किया गया थ**ा

कंप्यूटर की चौथी पीढ़ी (fourth generation of computer in hindi):- 1975 से 1988

कंप्यूटर की इस **generation** में microprocessor की शुरुआत हुई, जिसमें हजारों आईसी को मिलाकर एक सिंगल चिप बनाए गया जो silicone पर बनाई जाती थी। जिसे very large scale integrated circuit के नाम से जाना जाता है।

www.tricksontime.com

इस पीढ़ी के कंप्यूटर में एक बड़े पैमाने पर VLSI तकनीक का इस्तेमाल कर बनाए गए थे।

computer generations

सन 1971 में इंटेल 4004 जीत विकसित किया गया था। इस genration में एक सिंगल चिप पर सारे कंप्यूटर के कंपोनेंट को फिट किया गया।

इस पीढ़ी में **रियल टाइम प्रोसेसिंग** और डिस्ट्रीब्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया और उच्च स्तरीय प्रोग्राम भाषाओं जैसे C, C++,डाटाबेस को भी इस्तेमाल किया गया था।

ये पोस्ट भी पढ़े:- **computer output devices in Hindi**

चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटर की विशेषता

- microprocessor **का यूज़ किया**
- **इस पीढ़ी में रियल टाइम प्रोसेसिंग और डिस्ट्रीब्यूटर टो ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गय**ा
- **उच्च प्रोग्रामिंग भाषा का यूज़ किया गया।**
- silicone **चिप यूज़ की गयी**
- vlsi **चीप यूज़ की गयी**
- **अधिक पॉवरफुल कंप्यूटर थे**
- **पोर्टेबल थे**
- **अधिक डाटा स्टोर कर सकते है**

पाँचवी पीढ़ी के कंप्यूटर (fifth generation of computer in hindi) :- 1998 से अब तक

पांचवी पीढ़ी के रूप में एक नई तकनीक से यू एल एस आई (अल्ट्रा लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) कहा जाता है, को एक एमसी चिप में 1000000 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को शामिल किया गया ,और एक यू एलएसआई बनाया गया।

इस **generation** में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अवधारणा वॉइस रिकॉग्निशन, मोबाइल संचार, सेटेलाइट ,संचार एंड सिग्नल डाटा प्रोसेसिंग को स्टार्ट किया गया।

www.tricksontime.com

ये पोस्ट भी पढ़े:- difference between ram and rom in Hindi

उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषाओं के रूप में जैसे java,vb and .NET की शुरुआत इस पीढ़ी में ही हुई थी। कंप्यूटर मशीनों के विकास के क्षेत्र में प्रगति के कारण कंप्यूटर बहुत ज्यादा व्यापक और उपयोगी हो गया है |

अब हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का बहुत तेजी से इस्तेमाल किया जाता है।

पाँचवी पीढ़ी के कंप्यूटर की विशेष्ता

- **पोर्टेबल है**
- **मल्टीटास्किंग है**
- ULSI **चीप यूज़ करते हैं**
- **तेज़ गति से काम करते है**
- **इंटरनेट यूज़ करने के लिए डिज़ाइन किये जाते है**

www.tricksontime.com